Schedule XLV-Form No. 134

Kasgra-Jamuk Road to Kasgra via Khaira.

Executive Engineer R.W.D Work **DIVISION** -
Jehanabad

A.E. R.W.D. Work. **SUB-DIVISION** -
Jehanabad

MEASUREMENT BOOK

NO-2781

अनुसूची 45- फारम सं० 136

कोषागार संहिता फारम संख्या 52 पी
देखें कोषागार संहिता नियम 415

(अन्तिम भुगतान पीले कागज पर छपे फारम पर किए जाएँ और इसका उपयोग-मध्यवर्ती भुगतानों में न किया जाय)

चलता लेखा बिल "क"

(ठीकेदार के लिए :-यह फारम अन्तिम भुगतान तथा मांगे गये निर्माण मदे भुगतान के लिए है।)

रोकड़ बही भाउचर सं० .... तारीख ....

ठीकेदार का नाम : M/S Aditya Shree Engicon Pvt Ltd.

निर्माण का नाम- Repair of Work from Kasra Tamuk Road To Kasra via Katra.

इस बिल की क्रम संख्या - 3'rd & Final Bill.

इस निर्माण के पिछले बिल की संख्या और तारीख...................... संख्या............ तारीख......................

करारपत्र का निर्देश.......25./MB संo/ 20-21.......... सन्......................

काम शुरू करने के लिखित आदेश की तारीख - 27/11/2020.

निर्माण वस्तुतः पूरा होने की तारीख - 26/08/2021.

1 किए गए निर्माण का लेखा

ऐसे निर्माण के लिए भुगतान जिसका मापन बाकी है। पिछले बिल के अनुसार कुल जोड़	पिछले बिल के बाद	अब तक कुल	निर्माण की मदें (प्राक्कलन के "उपशीर्षक" और उप निर्माण के अनुसार वर्गीकृत)	इकाई	दर	माप बही के अनुसार अब तक निष्पादित मात्रा	वास्तविक माप के आधार पर किए गए भुगतान: अवतक	पिछले	अभ्युक्ति (स्तम्भ) में दिखाए गए भुगतानों के समायोजन में हुए विलम्ब के कारण सहित
1	2	3.	4	5	6	7	8	9	10
रु०	रु०				रु० पै०		रु० पै०	रु० पै०	
1/1 -			Clearing and grabbing Road -	Hec	51161.250	0.09	4604=00		
2/2 -			Dismantalling cement concrete -	Cum	480.210	0.810	389=00		
3/3 -			Dismantallin - Brick masonary -	Cum	237.820	10.08	2397=00		
4/5 -			Removing Hume Pipe -	M	236.340	5.00	1182=00		
5/7 -			Constrn of subgrade & Earthen Shoulder	Cum	161.560	765.00	1,23,597=00		
6/8 -			G.S.B - -	Cum	1543.960	50.23	77,553=00.		
7/9 -			WBM - Gr - 2 -	Cum	2577=01	28.78	74,166=00		
8/10 -			WBM - Gr - 3 - -	Cum	2446=02	117.009	2,86,264=00		
9/11 -			Primer coat -	Sqm	44.590	1560.115	69,565=00		
10/12 -			Premix Carpet -	Sqm	184.070	1560.115	2,87,170=00.		
			अग्रणीत						

* जहाँ स्तम्भ 9 में वास्तविक माप के आधार पर कोई प्रविष्टि की जाय वहाँ सविस्तार माप के बिना ही पहले चुकायी गई पूरी रकम को स्तम्भ 2 में 1 की रकम के बराबर की राशि घटाकर समायोजित कर लिया जाय ताकि "स्तम्भ 3" में दिखा गया "अवतक कुल" शून्य हो जाय।

**जब प्रत्येक प्राक्कलन या उपशीर्षक के सम्बन्ध में स्तम्भ 9 में दो या दो से अधिक प्रविष्टियाँ हो, तब ऐसे निर्माण की दशा में जिसका लेखा में बांटकर रखा जाता हो, उन प्रविष्टियों को जोड़कर योगफल स्तम्भ 10 में चढ़ा दिया जाय, ताकि "निर्माण सार" में दर्ज किया जा सके।